हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

10 कई वर्षों से दुकानदार अपने खर्च पर करवा रहे है...

10 शहर के ज्वलंत मुद्दों पर वरिष्ठ नागरिकों ने जताई चिंता...

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ का विरोध-प्रदर्शन 15 को

महेंद्रगढ़। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला इकाई की ओर से 15 जुलाई को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। संघ के जिला सचिव रोशनलाल निम्बल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विरोध प्रदर्शन वित्त अधिनियम 2025 को निरस्त करवाने एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद सेवानिवृत्त कर्मियों की मांगों को अनसुना किया जा रहा है, जिससे उनमें भारी असंतोष व्याप्त है।

अटेली मंडी में रक्तदान शिविर आज

मंडी अटेली। राव नेतराम शिक्षा समिति सलीमपुर अटेली मंडी और जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से 14 जुलाई को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। समिति के चेयरमैन सुभाष चंद्र ने बताया कि शिविर का आयोजन सिविल अस्पताल और रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से किया जा रहा है। शिविर आज सुबह 10 बजे शुरू होगा।

कांवड़िए वाहनों पर नहीं बजा सकेंगे डीजे

कनीना। बाघेश्वर धाम बागोत में 23 जुलाई को आयोजित होने वाले कांवड़ मेले को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत 23 जुलाई तक महेंद्रगढ जिले में कांवड़ियों के वाहनों पर डीजे बजाने व अपने साथ घातक हथियार लेकर चलने तथा रखने पर पाबंदी लगा दी है। उन्होंने कहा कि सावन माह के चलते 23 जुलाई तक शिवरात्रि पर कांवड़ यात्रा व मेला शुरू होने जा रहा है। इस दौरान कांवड़ियों की ओर से वाहनों में डीजे अथवा लाऊड स्पीकर आदि लगाकर तेज आवाज में बजाया जाता है। जिससे ध्वनि प्रदूषण व दुर्घटना को बढ़ावा मिलता है।

श्रीमद्भागवत ज्ञान-यज्ञ कथा दो से

महेंद्रगढ़। श्री सतगुरू सेवा समिति की ओर से आयोजित होने वाली 25वीं श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह को लेकर समिति सदस्यों द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति प्रधान सुरेश ने की। बैठक में सर्वसम्मति से दो अगस्त से श्रीमद्भागवत कथा कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। इस सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथावाचक संत स्वामी श्रीरामप्रपन्नाचार्य महाराज अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करवाएंगे। समिति सदस्य सुरेश व दलीप शर्मा ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा श्री रामलीला परिषद में आयोजित की जाएगी।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में एक बार फिर से मानसून लय देखने को मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पिछले दो से मानसून गतिविधियों में कमी देखने को मिली, क्योंकि मानसून टर्फ हरियाणा एनसीआर दिल्ली के दक्षिण में राजस्थान पर बनी हुई हैं, लेकिन लगातार बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं आने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पिछले दो दिनों से बिखराव वाली खंड बारिश की गतिविधियों को दर्ज किया गया।

वर्तमान में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है, जिससे लगातार बादलों की आवाजाही बनी हुई और हल्की खंड बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही है, लेकिन आने वाले दिनों में 13 से 18 जुलाई के दौरान हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर विशेषकर हरियाणा के पश्चिमी जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, दक्षिणी जिलों महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुड़गांव, पलवल, मेवात, फरीदाबाद, एनसीआर दिल्ली में तेज गति की हवाओं के साथ जबरदस्त बारिश व कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश से अति भारी बारिश की संभावना बन रही है। इसके अलावा केंद्रीय जिलों रोहतक, झज्जर के साथ पूर्वी जिलों सोनीपत, पानीपत, करनाल व एनसीआर दिल्ली के साथ कैथल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, जींद में हल्की बारिश बूंदाबांदी की संभवना है, जबकि पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में इस दौरान बाढ़ जैसी स्थिति की संभावना बन रही है। अगले 24 घंटों के दौरान दो निम्न दबाव प्रणालियों का निर्माण होने की संभावना है। वर्तमान में एक उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर एक चक्रवातीय सर्कुलेशन स्थित है, जो सोमवार अलसुबह तक राजस्थान के जयपुर पहुंच जाएगा। इसके कम दबाव का क्षेत्र में तब्दील होगा तथा दूसरी आज उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर एक कम दबाव का क्षेत्र बनेगा। वहीं 14 जुलाई को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से उत्तरी राजस्थान पर भी एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से अरब सागर से भी प्रचुर मात्रा में नमी मिलने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में जबरदस्त मानसून सक्रिय होने की प्रबल संभावना बन रही है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमानः आज से 18 जुलाई तक तेज गति की हवाओं के साथ जबरदस्त बारिश की संभावना

कनीना। होलीवाला जोहड़ ओवरफलो होने से सड़क पर जमा पानी। फोटो : हरिभूमि

भारतीय मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्र मोहन ने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर भारतीय मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। बादलों की आवाजाही व खंड बारिश तथा हल्की बूंदाबांदी से सम्पूर्ण इलाके में लगातार मौसम सुहावना बना हुआ है। जिले में सुबह से ही बादलों की आवाजाही बनी रही। आज दोपहर बाद बिखराव वाली हल्की बारिश व बूंदाबांदी हुई। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमशः 33.4, 23.3 डिग्री सेल्सियस, 34.0, 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बारिश के पानी से कनीना में हालात हो रहे बेकाबू

कनीना। शनिवार रात्रि कनीना क्षेत्र में 27 एमएम बारिश हुई। इससे पूर्व शुक्रवार को 64 एमएम बारिश हुई थी। बारिश के बाद जगह जगह जलभराव हो गया। जिससे वाहन चालकों तथा राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कनीना महेद्रगढ़, रेवाड़ी रोड व गुढ़ी लिंक मार्ग बारिश से धुलने के बाद खंडित होना शुरू हो गया है। उन्हाणी गांव के समीप से गुजर रही रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी के लीकेज साइफन की जगह लगी टाइलों के के कारण सड़क में गड्ढे बनने से हालात और अधिक खराब हो गए हैं। कनीना में होलीवाला जोहड़ ओवरफ्लो होने से बारिश का पानी सड़क पार कर घरों में घुस गया।

स्वास्थ्य विभाग ने पुराने कंडम भवन का रेनोवेशन करवाने का लिया निर्णय

नागरिक अस्पताल की मरम्मत के लिए 1.80 करोड़ रुपये का भेजा एस्टीमेट

नागरिक अस्पताल में 200 बैड के अस्पताल का निर्माण समय पर नहीं होने से करवाई जाएगी पुराने भवन की मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

इसे ठेका निर्माण कंपनी की मनमानी कहें या फिर टेक्नीकल पेचिदगियां, लेकिन नागरिक अस्पताल में बनाए जा रहे सात मंजिला भवन का छह साल गुजरने के बावजूद भी दो मंजिल से आगे नहीं बढ़ पाया। इसी कारण स्वास्थ्य विभाग ने नागरिक अस्पताल के पुराने कंडम भवन का रेनोवेशन करवाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत वर्तमान में जिस भवन में अस्पताल चलाई जा रही है, उस बिल्डिंग की मरम्मत करवाई जाएगी, जिसके लिए पीडब्ल्यूडी विभाग ने लगभग 1.80 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया है। फिलहाल इस एस्टीमेट को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा गया है, जिसके शीघ्र मंजूर होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि नागरिक अस्पताल वर्तमान में एक पुरानी बड़ी बिल्डिंग में चलाई जा रही है। यह भवन पैप्सू के टाइम का लगभग 70 वर्ष पुराना है, जो काफी पुराना एवं जर्जर हो चुका है। इस भवन की पुराने आपातकालीन वार्ड की तरफ तो हालत कुछ ज्यादा ही खराब है। इस पुराने आपातकालीन वार्ड की छत टपकती थी, जबकि यह भवन तीन मंजिला है। कमाल की बात है कि ग्राउंड फ्लोर बने आपातकालीन वार्ड की छत टपकती हो, क्योंकि इस छत के ऊपर द्वितीय फ्लोर का टॉयलेट बना हुआ था। टॉयलेट की लाइन लीकेज थी, जो हमेशा छत के जरिए आपातकालीन वार्ड में टपकती थी। इस कारण इस पुराने आपातकालीन वार्ड को बंद करना पड़ गया था। इसी वार्ड की ऊपरी दीवारों में बड़ एवं पीपल के पेड़ उगे हुए हैं, जो अब बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन इन्हें काटने या कटवाने की कोई अस्पताल अधिकारी एवं कर्मचारी जहमत नहीं उठा रहे, जबकि इस भवन को यही नुकसान पहुंचा रहे हैं। अस्पताल भवन की तीन मंजिला इमारत पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकना आम बात हो गई है। वहीं आए कहीं न कहीं छतों का प्लास्टर भी भरभरा कर गिरने की घटनाएं होती रहती हैं। भवन की दीवारों व छज्जों पर जगह-जगह पेड़ उग गए हैं तो छतों लेंटर से सरिये भी बाहर निकल गए हैं। जबकि कुछ माह पूर्व स्वास्थ्य विभाग के निदेशक ने अस्पताल का निरीक्षण करते समय संबंधित कर्मियों को छतों व दीवारों पर लगे पेड़ों को हटाने के निर्देश दिए थे।

नारनौल। पुराने भवने की दीवारों में खड़े पेड़। फोटो : हरिभूमि

नए भवन के निर्माण में हो रही भारी देरी

जिला स्तरीय नागरिक अस्पताल की नई सात मंजिला बिल्डिंग बनाने की प्रक्रिया 2017 में शुरू हुई तथा 2019 में इसके निर्माण की आधारशिला भी रखी गई, लेकिन 200 बैड के इस अस्पताल भवन को न जाने क्या ग्रहण लगा, जिस कंपनी को निर्माण का टेंडर दो साल का लक्ष्य बनाकर दिया गया, वह कंपनी छह साल में भी इसका निर्माण करने में नाकाम रही। यही वजह रही कि इस कंपनी का टेंडर रद्द कर दिया गया और अब नई कंपनी को कार्य अलॉट कर इस अधूरे भवन को पूरा करवाने की तैयारी हो चुकी है।

भवन तैयार नहीं होने पर ही मरम्मत की बनी योजना

उक्त 200 बैड का भवन तैयार नहीं होने के कारण ही इस पुराने भवन की मरम्मत का निर्णय लिया गया है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी विभाग से एस्टीमेट तैयार कराया गया है। इस पुराने भवन की मरम्मत के मद्देनजर लिपाई-पुताई ही नहीं, जहां जरूरत पड़ेगी, क्षतिग्रस्त एरिया का दुरुस्तीकरण भी किया जाएगा। कुल मिलाकर पुराने भवन को ही चालू रखने के लिए यह खर्च उठाया जा रहा है, जबकि इससे पहले विभाग की योजना थी कि 200 बैड का नया भवन तैयार होने उपरांत इस पुराने कंडम भवन को खत्म कर दिया जाए और इसकी जगह नई बिल्डिंग डाक्टर्स एवं स्टॉफ क्वार्टर्स तैयार किए जाएं, लेकिन फिलहाल यह योजना अधर में लटक गई है।

क्या कहते हैं चिकित्साधिकारी

नागरिक अस्पताल के उप चिकित्सा अधीक्षक विजय डबास ने बताया कि अस्पताल भवन की मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर योजना तैयार की है, जिसके तहत भवन की मरम्मत के साथ बिजली फिटिंग सहित अन्य सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल है। इसके लिए लगभग 1.80 करोड़ रुपये का एस्टिमेट संबंधित विभाग द्वारा बनाया गया है। बजट मिलते ही अस्पताल भवन की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाने का प्रयास किया जाएगा।

महेंद्रगढ़। धरने पर पंच सुरेंद्र सिंह को सर्मथन देने पहुंचे पूर्व विधायक राव दानसिंह।

पंच के आरोपों की होगी नए जांच पूर्व विधायक ने दिया सर्मथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के अंबेड़कर चौक पर गांव सरपंच के भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पंच सुरेंद्र सिंह ने 11 वें दिन भी भूख हड़ताल पर रहे। रविवार को पूर्व विधायक राव दानसिंह ने धरने को अपने सर्मथन दिया। वहीं मौके पर पहुंचकर डीडीपीओ से फिर से उनके आरोपों की जांच करने का आश्वासन दिया।

बता दें गांव माजरा खुर्द के पंच ने गांव की सरपंच पर गांव की सरपंच पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर करीब ढ़ाई वर्ष पहले शिकायत दी थी। लेकिन उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पंच सुरेंद्र सिंह भूख हड़ताल पर बैठ गए। शनिवार को उनकी तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उनकी 81 वर्षीय मां शांति देवी ने अपने बेटे को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया था। रविवार को पंच सुरेंद्र सिंह ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वहीं उनकी मां ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी है।

नए सिरे से डीडीपीओ करेंगे जांच

विधायक ने मौके पर पहुंचकर पंच सुरेंद्र सिंह को उनकी आरोपों की जांच आश्वासन दिया है। ऐसे सवाल उठता है कि चार दिन बीडीपीओं की ओर जांच कर रहे थे उसका क्या हुआ। ऐसे में जिला प्रशासन के कार्यशैली पर सवाल उठ रहे है। वहीं पंच सुरेंद्र सिंह ने जिला उपायुक्त पर जांच रिपोर्ट छुपाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बीडीपीओ को डीसी ने सरपंच के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे।

राव दानसिंह ने दिया सर्मथनः रविवार को पूर्व विधायक राव दानसिंह ने भी पंच सुरेंद्र सिंह को अपना सर्मथन देते हुए पंच सुरेंद्र सिंह के आरोपों की निष्पक्ष जांच करने की मांग की। राव दान सिंह ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार से 11 वर्ष से भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने के लिए राग अलाप रही है। पंच सुरेंद्र सिंह की तबीयत बिगड़ जाने पर उनके समर्थन में उनकी 81 वर्षीय मां को भी एक दिन के लिए भूख बैठना पड़ा। लेकिन सरकार और प्रशासन भ्रष्टाचार को लेकर मुक दर्शक बना हुआ है।

सीआईए ने 91 किलो 500 ग्राम डोडा पोस्त किया बरामद

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने नशे के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है, ताकि लोग नशे से दूर रहें। एसपी के निर्देशानुसार जिलेभर में अवैध नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ पुलिस की ओर से लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम ने नांगल चौधरी क्षेत्र से दो आरोपितों को नशीले पदार्थ सहित पकड़ा है और भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने दो आरोपियों अंकित वासी पाली व मनीष वासी मालडा सराय कनीना को गिरफ्तार किया है। टीम ने गाड़ी से करीब 91 किलो 500 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस की ओर से आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए टीम गश्त के दौरान गोठडी मोड़ नांगल चौधरी मौजूद थी।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के कॉलेजियम चुनाव सम्पन्न

नारनौल। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के 87 कॉलेजियम वार्डों के चुनाव रविवार को सम्पन्न हो गए। मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ ने बताया कि 56 वार्डों से कॉलेजियम सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन पहले ही हो चुका है। इनके अलावा 31 वार्डों के चुनाव रविवार को सम्पन्न हुए। चुनाव सहायक चुनाव अधिकारी संजय कौशिक, धर्मेंद्र शर्मा अटेली, अंजनी शास्त्री नांगल चौधरी व नरेश जोशी महेंद्रगढ़ के सहयोग से सम्पन्न करवाए। वशिष्ठ ने बताया कि वार्ड नम्बर दो से प्रवीण कौशिक को 20 व मनोज शर्मा को 14, पांच से साधुराम को 535 व गोपाल कृष्ण को तीन, नौ से देशराज को 23 व तेजभान को 20 मत मिले। वार्ड 11 से हंसराज को 24 व देवेंद्र शर्मा को 14 मत, 22 से नरेन्द्र झिमरिया को 29 व जनार्दन मिश्रा को 10 मत, 24 से सुरेश चन्द को 34 व सुरेंद्र को 16 मत, 45 से इन्द्रलाल को 17 व विनोद को शून्य मत, 47 से भीमसेन को 17 व सुकेश दीवान को 11 मत, 48 से लक्ष्मीकांत को 18 व आनंद शर्मा को सात मत, 51 से कृष्ण भारद्वाज को 21 व विजय कुमार को 16 मत, 52 से महेश दीक्षित को 31 व मनमोहन दीक्षित को शून्य, 54 से हेमन्त कृष्ण भारद्वाज को 29 व अशोक कुमार को छह मत, 56 से विपिन को 22 व श्रवण कुमार को 17 मत, 58 से किशनलाल शर्मा को 23 व नवीन कुमार को 12 मत, 62 से देवदत्त शास्त्री को 32 व सुरेंद्र प्रशाद को एक मत, 65 से मोहनलाल व धीरेंद्र को 20-20 मत प्राप्त हुए(जिसका सिक्का उछाल कर फैसले में मोहनलाल विजयी रहे। वार्ड 66 से लोकेश कुमार को 11, अनिल पांडे को 11 व मनोज निर्मल को आठ मत मिले, जिसमें टॉस में लोकेश निर्मल विजयी रहे। वार्ड 67 से अमित पाण्डे को 27 व तरुण पांडे को 17 मत, 69 से कृष्ण कुमार शर्मा को 22 व किशनलाल गौड़ को 21 मत, 70 से राकेश कुमार को 23 व दिनेश कुमार को 15, वार्ड 71 से राकेश कौशिक एडवोकेट को 26 व राजकुमार कौशिक को 10 मत, 72 से शंकर सुमन को 26 व अजय शर्मा को 21, 73 से भूपेश कुमार को 17 व सोमनाथ को 14 मत, 76 से मदनलाल एडवोकेट को 18 व आलोक शर्मा को 17 मत, 77 से राकेश महता एडवोकेट को 32 व खेमचंद को छह मत, वार्ड नं. 79 से अर्जुनलाल एडवोकेट को 23 व महेंद्र कौशिक को 10 मत, 81 से गोपाल कृष्ण शांडिल्य को 28 व नवीन को 11 मत, 82 से विजय कुमार गौस्वामी को 28 व नंदकिशोर को आठ मत, वार्ड 83 से प्रभाष छक्कड़ को 46 व मन्मथ को शून्य मत, 84 से सुरेश कुमार को 20 व सिद्धार्थ को 18 मत तथा वार्ड नंबर 86 से अनिल कुमार को 27 व रामनारायण बोहरा को 11 मत प्राप्त हुए।

धन्नौदा रोड पर शराब के ठेके के विरोध में सातवें दिन भी धरना-प्रदर्शन जारी

मंडी अटेली। शराब के ठेके विरोध में सातवें दिन विरोध प्रदर्शन करते हुए।

मंडी अटेली। शहर के धन्नौदा रोड पर आबकारी विभाग के द्वारा नए वित्त वर्ष के दौरान शराब की दुकान रिहायशी क्षेत्र में खोलने को लेकर पिछले सप्ताह भर से वार्ड तीन और चार के स्थानीय नागरिक व शहरवासी धरने पर टेंट लगाकर बैठे हुए हैं। इस रिहायशी इलाके में शराब का ठेका खोले जाने के विरोध में शहर के सभी वार्ड पार्षद व चेयरमैन व सामाजिक संगठन के लोग सभी इसका घोर विरोध कर रहे हैं। शहर के वार्ड पार्षदों में एकजुट होकर कहा कि ऐसे रिहायशी क्षेत्र में शराब के ठेके खोलना अनुचित है। शराब के ठेके शहर में बस्ती के बाहर होने चाहिए, ताकि शहरवासी व बस्ती वासी आराम से अपना जीवन यापन कर सकें और आने वाले समय में उनके बच्चों पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े। जहां पर अब यह शराब का ठेका लगाया गया है, वहां पर सुबह-शाम दोपहर वार्ड नंबर तीन में चार के लोगों का आवागमन रहता है, जिसमें बुजुर्ग, महिला, पुरुष, बच्चे व विद्यार्थी अधिकतर इसी रोड से गुजरते हैं। यह क्षेत्र के महाविद्यालय, स्कूल, हॉस्पिटल जाने के लिए मार्ग बना हुआ है। पिछले एक हफ्ते से शराब की दुकान इस रोड पर होने की वजह से छोटे बच्चों में महिलाओं का तो गुजरना भी बन्द सा ही हो चुका है।

राजकीय पीजी कॉलेज में विभिन्न संकाय की 1560 सीटें है स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिले के सबसे पुराने राजकीय पीजी कॉलेज में यूजी कोर्स की 879 सीटें अभी भी रिक्त हैं। राजकीय पीजी कॉलेज में यूजी कोर्स में विभिन्न संकाय की कुल 1560 सीटें स्वीकृत हैं। दो मेरिट लिस्ट और ओपन काउंसलिंग के बाद भी 50 प्रतिशत से अधिक सीटें खाली रह गई हैं। जिनको भरने के लिए सोमवार को फिर फिजिकल काउंसलिंग होगी, ताकि इन रिक्त सीटों को भरा जा सके। बता दें कि पीजी कॉलेज में यूजी संकाय में कुल विभिन्न संकाय की 1560 सीटें स्वीकृत है। जिसमें से अब तक 879 सीटों में विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है। जबकि 661 सीटों पर छात्र छात्राओं ने दाखिला लिया है। शेष रिक्त सीटों को भरने के लिए सोमवार को एक बार फिर से फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मौके पर उपस्थित होकर विद्यार्थी दाखिला ल सकता है। फिजिकल काउंसलिंग का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक रहेगा।

इस प्रक्रिया का उद्देश्य कॉलेज में रिक्त सीटों को भरना है। कॉलेज प्रशासन ने विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए हैं।

कॉलेज प्रशासन को उम्मीद है कि फिजिकल काउंसलिंग के बाद कॉलेज में सीटों की स्थिति में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि फिजिकल काउंसलिंग में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की मेरिट सूची तैयार कर दाखिला दिया जाएगा। जिसमें स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को फीस जमा करवाकर अपना दाखिला कंफर्म करना होगा। उन्होंने बताया कि फिजिकल काउंसलिंग का समय सुबह 10 बजे से डेढ़ बजे तक रहेगा।

दो मेरिट लिस्ट व ओपन काउंसलिंग के बाद भी खाली रह गई 50 प्रतिशत से अधिक सीट

जिले के सबसे पुराने कॉलेज में 879 सीटें रिक्त आज फिर होगी फिजिकल काउंसलिंग

नारनौल। राजकीय पीजी कॉलेज। फोटो : हरिभूमि

यूजी कोर्स की सीटें

संकाय	स्वीकृत	दाखिले	रिक्त
बीए	660	280	380
बीबीए	40	30	10
कॉमर्स	240	74	166
बीसीए	40	36	4
बीएससी लाइफ साइंस	160	113	47
बीएससी फिजिकल साइंस	400	128	272
कुल	1540	661	879

फिजिकल काउंसलिंग आज

राजकीय पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि कॉलेज में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए सोमवार को फिजिकल काउंसलिंग होगी। जिसमें शामिल होकर विद्यार्थी दाखिला ले सकता है।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।

कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा

जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।

यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए
कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

रागनी | **रामधारी खटकड़**

बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहूं जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या, इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह - जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का, हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै, नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी, तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र, बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की, इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै, आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं - नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते - किते गोदाम सड़ैं, किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई, सुबक - सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख, बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै, हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं, जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या, ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं, तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे, खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

रागनी | **पवन मित्तल**

कवि सै दरबारी कोन्या

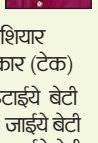

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ।। टेक

कवि धोरै कवि आवैं, चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर, सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे, सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा, ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवे सै, हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै,चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै, लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै, बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै, इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए,ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए, जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै, मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं, डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम करादे, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे, गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर | **मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए**

जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।

हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं। हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्य का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं l डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।

पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन कल

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के राज्य प्रेस सचिव धर्मपाल शर्मा एवं जिला प्रधान घनश्याम शर्मा ने एक संयुक्त बयान में बताया कि अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फैडरेशन के आह्वान पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ के नेतृत्व में पेंशन सम्बन्धित वित्त विधेयक 2025, भाग चार 25 मार्च 2025 को लोकसभा में पारित किया गया है, इस विधेयक को वापिस करवाने हेतु 15 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष सुबह 10 बजे से एक बजे तक विरोध स्वरूप धरना प्रदर्शन किया जाएगा तथा दोपहर एक बजे प्रधानमन्त्री भारत सरकार के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। रिटायर्ड कर्मचारी संघ की लंबे समय से कई मांगे लंबित हैं। जिनमें कम्यूट की गई राशि को 11 वर्ष तक ही काटे जान की मांग की गई। साथ ही सभी वरिष्ठ नागरिकों को कैशलेस सुविधा देने, मेडिकल भत्ता 3 हजार रुपये करने, पेंशन भोगियों के मूल वेतन में 65 वर्ष की आयु पर 10 प्रतिशत और 75 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत की वृद्धि देने, रेलवे-हवाई यात्रा में पहले की भांति 50 प्रतिशत की छूट देने, पुरानी पेंशन बहाल करने, एनपीएस यूपीएस बंद करने की मांग प्रमुखता से की जाएगी।

32 वर्ष पहले हुआ था महाराज अग्रसेन शॉपिंग कॉम्पलैक्स का निर्माण

कई वर्षों से दुकानदार अपने खर्च पर करवा रहे है दुकानों की मरम्मत

- शॉपिंग कॉम्पलैक्स में दुकान का गिरा प्लास्टर, बडा हादसा टला दुकानदार भयभीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

स्थानीय महाराज अग्रसेन शॉपिंग कॉम्पलैक्स में बड़ा हादसा होने से टल गया है। दुकान से ग्राहक खरीदकर जैसे ही बाहर निकला, ऊपर से प्लास्टर टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ। इस हादसे के बाद दुकानदारों में रोष है। उन्होंने शिकायत देकर दुकानों की मरम्मत कराने की मांग की है।

बता दें कि शॉपिंग कॉम्पलैक्स का 4 अगस्त 1994 को तत्कालीन प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री धर्मबीर गाबा ने उद्घाटन किया था। उस समय करोड़ों रुपये की लागत से तीन फेज का कॉम्पलैक्स बनाया गया था जिसमें 250 से अधिक दुकानें बनी थी और आठ से दस शोरूम भी बने थे। इससे सैकड़ों दुकानदारों को काम मिला था। आज यह कॉम्पलैक्स शहर के सबसे बड़े बाजार के रूप में उभर चुका है। लेकिन 32 वर्ष बाद भी कॉम्पलैक्स की स्थिति रखरखाव के कारण बेहद खस्ता हो गई है। दुकानों को निर्माण होने के बाद नपा की ओर अभी तक उनकी मरम्मत नहीं कराई है। दुकानदार अपने खर्च पर दुकानों की मरम्मत करवा रहे है।

महेंद्रगढ़। दुकान की छत से निकले सरिया। व दुकान में गिरा प्लास्टर। फोटो: हरिभूमि

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

अग्रसेन शॉपिंग कॉम्पलैक्स में मरम्मत नहीं होने के चलते उपर की छतें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। लेंटर में डले हुए लोहे के सरिए साफ नजर आने लगे हैं, जो सीलन की वजह से अब जंग खा रहे हैं। कॉम्पलैक्स में अभी लेंटर का कुछ हिस्सा व प्लास्टर ही गिर रहा है, अगर शीघ्र ही पालिका व स्थानीय प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया तो कभी भी यहां बड़ा हादसा हो सकता है। भवन से प्लास्टर उखड़ने से दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। जल्द ही इसे दुरुस्त नहीं किया गया तो कॉम्पलैक्स और जर्जर हो सकता है।

कई बार दे चुके है शिकायत

दुकान नंबर 23 चलाने वाले अरुण कुमार ने बताया कि उस उनकी दुकान में अचानक प्लास्टर गिर गया था। उन्होंने अपने खर्च पर दुकान की मरम्मत कराई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने 32 साल पहले अरुण रेडीमेड के नाम से दुकान नगर पालिका से किराए पर ली थी। लेकिन नपा की ओर से कभी भी दुकानों की मरम्मत नहीं कराई गई। जबकि दुकानदार माह नपा को दुकानों का किराया भी देते हुए है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष नपा ने 5 वर्ष में 25 प्रतिशत किराया भी बढ़ाया है। दुकानदारों का कहना है कि वे कई बार नगर पालिका, पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा और पूर्व विधायक राव दान सिंह को शिकायत दे चुके हैं। सभी ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ।

नारनौल। बैठक में पहुंचे रामेश्वर दास व अन्य। फोटो: हरिभूमि

इनेलो हर वर्ग की हितैषी पार्टी: रामेश्वर दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

इंडियन नेशनल लोकदल के एससी सैल के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर दास पहलवान ने कहा कि इनेलो हर वर्ग की हितैषी पार्टी है। वे रविवार को नई मंडी में इनेलो एससी सैल की जिला स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इनेलो ने ही एससी वर्ग कीहर गांव में चौपाल बनाने का काम किया था। गांवों में एससी के नंबरदार बनाने का काम भी चौधरी देवीलाल ने ही किया था। जच्चा बच्चा को 500 रुपये देने की शुरूआत की। गरीब बच्चों के पढ़ाई में प्रोत्साहन राशि देने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में एससी पर सबसे ज्यादा अत्याचार किए जा रहे है और प्रदेश में आए दिन हत्याएं हो रही है, जिस पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई है और भाजपा सरकार हरियाणा के हितों की रक्षा करने में असफल साबित हुई है। आय के आधार पर बुजुर्गों को पेंशन काटी का रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आपस में मिले हुए है तथा कांग्रेस विपक्ष कि भूमिका नहीं निभा रही है। उन्होंने एससी सैल का मजबूत संगठन बनाने के दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की भूमिका में इनेलो ही मजबूती से खड़ी है और हरियाणा की जनता अभय सिंह चौटाला की तरफ आशा भरी नजरों से देख रही है। इस मौके पर अनुसूचित जाति के प्रदेश प्रभारी वेद मुंडे, प्रदेश उपाध्यक्ष एससी सैल वेदप्रकाश नंबरदार, जसबीर ढिल्लो, छोटेलाल गहली, एससी जिला प्रधान ज्ञानेश्वर निंबल, जयसिंह सैनी, सतनारायण गुप्ता, मुकेश नंबरदार, नरसिंह दायमा, केदार गर्ग, सतपाल छिलरो, सुरेश चौधरी, अमर सिंह जांगड़ा, अमित महरमपुर, जागेराम आदि मौजूद थे।

गोपाल गोशाला में लगाई सवामणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में गोवंश के लिए सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आचार्य मनीष शास्त्री ने सवामणी के यजमान राजकुमार निर्मल, आचार्य बजरंग शास्त्री, मोनिका शर्मा व संस्थान के सभी सदस्यों से गोमाता का पूजन करवाया। संस्था के सचिव सुरेन्द्र गोयल ने बताया कि हिंदू धर्म में गाय को मां के समान माना गया है। जिनकी सेवा करने से व्यक्ति को सुख समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इस अवसर पर यजमान व संस्था के सदस्यों ने श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का विधिविधान से पूजन किया। गोमाता की आरती कर सभी सदस्यों ने हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई। संस्था के सदस्य वेदप्रकाश बंसल ने बताया कि गाय के शरीर में सभी देवताओं का वास होता हैं, गाय की सेवा करने से मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। विनोद सोनी ने कहा कि मनुष्य को पुण्य का कार्य जरूर करना चाहिए, सभी वेदों व शास्त्रों का सार है। जोगेंद्र अग्रवाल ने कहा कि गाय की सेवा करने से मनुष्य के अनेक प्रकार के दोष दूर होते है।

नारनौल। गोमाता का पूजन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रदीप संघी, उप प्रधान राजेंद्र गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, सोमदेव शर्मा, पवन शर्मा, मुकेश शर्मा, राजकुमार, मुकेश अग्रवाल, रामविलास, वेदप्रकाश बंसल, मोनिका शर्मा, काजल महता, लीलावती, पिंकी शर्मा, सरिता जैन, पवन शर्मा, मदन शर्मा, सरला शर्मा, गोमती बोहरा, जया अग्रवाल, निर्मल देवी, राधा बंसल, जया गर्ग, पूजा शर्मा, मुकेश शर्मा, उन्नति, पूर्वी, लक्षिका शर्मा, देवांशी शर्मा आदि मौजूद थे।

महासर गांव के युवक प्रदीप ने एनआईएस से किया डिप्लोमा

मंडी अटेली। गांव महासर के युवक प्रदीप ने देश के सबसे बड़े खेल संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनआईएस) पटियाला से बॉक्सिंग कोचिंग में डिप्लोमा पूरा किया है। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके व्यक्तिगत जीवन नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। इस डिप्लोमा के माध्यम से वे अब प्रोफेशनल रूप से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के योग्य बन चुके हैं। इससे ग्रामीण युवाओं में खेल को लेकर उत्साह बढ़ा है और अब स्थानीय स्तर पर बॉक्सिंग जैसे स्पोर्ट्स को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। प्रदीप ने बताया कि उसका सपना है कि हमारे गांव, जिला और राज्य के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलें और देश का नाम रोशन करें। ग्रामीणों ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई है और उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

एडवोकेट सिमरन को न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

एक माता-पिता के लिए इससे बड़ा गर्व का क्षण और क्या हो सकता है, जब उनकी पुत्री न्याय के मंदिर में अपने पहले कदम रखे। इसी गौरवपूर्ण अवसर को जी रहा है एक परिवार, जब सिमरन ने विधिक क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू किया। शहर के रेलवे रोड निवासी एडवोकेट सिमरन पुत्री परमजीत सिंह ने औपचारिक रूप से पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि रूप में न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी उपस्थित थे। वहीं बार काउंसिल पंजाब के अध्यक्ष राकेश गुप्ता विशेष सूक्ष्म उपस्थित रहे। एडवोकेट सिमरन सिंह को न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी ने सम्मानित किया। न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी ने कहा कि न्याय का क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, यह सेवा, समर्पण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का प्रतीक है। आज नई पीढ़ी के युवा इस पवित्र मार्ग पर चलने का संकल्प ले रहे हैं। इस अवसर पर सिमरन के माता देविंद्रा कुमारी हुए कहा कि यह क्षण केवल उसकी उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे परिवार की आशाओं और मूल्यों की जीत है। सिमरन ने भी इस पावन अवसर पर न्याय की मयार्दाओं का पालन करने, समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहने और अपने पेशे के उच्चतम आदर्शों को निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अमित राणा, सुवीर सिद्धू सदस्य बार काउंसिल ऑफ इंडिया, सुरेंद्र दत्त शर्मा मानद सचिव, अजय चौधरी एवं करणजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। एडवोकेट सिमरन को सम्मानित करते न्यायाधीश हरसिमरन सिंह सेठी।

आर्य समाज मोहल्ला खड़खड़ी में ऋषि लंगर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आर्य समाज मोहल्ला खड़खड़ी में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऋषि लंगर का भव्य आयोजन किया गया। सतीश पुल्यानी ने बताया कि आज के यज्ञ हवन में महेंद्र पुल्यानी, आशु कटारिया, संदीप अरोड़ा, नरेन्द्र अरोड़ा, मनीष पुल्यानी, धर्मचन्द छाबड़ा, सुरेश पाहुजा, सन्नी पुल्यानी, नरेश गोगिया ने यजमान के रूप में आहुतियां डाली। इस अवसर पर जयपुर से पधारे आचार्य उषर्बुध ने वेदों की महत्ता के विषय में बताते हुए कहा कि वेद ईश्वर, आत्मा व सृष्टि के रहस्यों पर प्रकाश डालते हैं। वे आत्मा की मुक्ति, धर्म के मार्ग और मोक्ष की प्राप्त का मार्गदर्शन करते हैं। सचिव राजेश आर्य ने कहा कि हमें घरों को सुंदर नियमों व उपनियमों का पालन करते हुए गृहस्थ जीवन से ही समाज और राष्ट्र को पुष्ट करना चाहिए। कोषाध्यक्ष सुनील कटारिया ने कहा कि हमें आचरण और सद्गुणों से घर को महकाना चाहिए।

कार्यक्रम में रमेश शास्त्री व कप्तान जगराम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उत्सव का संयोजन व मंच संचालन अश्विनी कटारिया ने किया। हवन व प्रेरणादायक भजनों के पश्चात ऋषि लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस सफल आयोजन के लिए प्रधान नंदलाल सेठी ने सभी सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राजेश आर्य, सुनील कटारिया, किशनचन्द सचदेवा, किशनचन्द कटारिया, ओमप्रकाश वधवा, कविंद्र सचदेवा, दीपक सेठी, विनोद आहूजा, ओमप्रकाश डुडेजा, शंकरलाल वाधवा, ओमप्रकाश डारा आदि मौजूद थे।

नारनौल। ऋषि लंगर में भोजन करते लोग। फोटो: हरिभूमि

तिगरा में गोचर भूमि पर लगाए पौधे

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव तिगरा के पूर्व सैनिक आर्य समाज प्रधान मनोज कुमार ने एक अनूठी पहल करते हुए अपनी बेटी खुशी और बेटे योगेंद्र के जन्मदिन पर गांव की गोचर भूमि में 10 पौधे पीपल और 10 पौधे गूलर के लगाए। यह कोई पहली बार नहीं है, जब मनोज कुमार ने इस तरह का कार्य किया हो। वह हर साल अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन व किसी अन्य खुशी के मौके पर पेड़ लगाकर खुशी मनाते हैं। उनका मानना है कि वह इन पेड़ों की सुरक्षा के लिए लोहे की जालियां, ईंट का गमला बनाकर करते हैं। इस मौके पर लाल सिंह थानेदार, आशा देवी, मेवा देवी, संतोष कुमार, रामवीर, प्रदीप कुमार एवं स्कूल के बच्चे शामिल हुए।

मंडी अटेली। तिगरा में गोचर भूमि पर पौध लगाते हुए। फोटो: हरिभूमि

उज्जवल दृष्टि अभियान का उद्देश्य आंखों को नया जीवन देना: डा. अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय अंधत्व एंव दृष्टि दोष नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा उज्जवल दृष्टि अभियान के तहत 45 वर्ष से ऊपर की आयु के नागरिकों तथा स्कूली छात्रों को मुफ्त चश्मे बांटे गए। यह कार्यक्रम जिला नागरिक अस्पताल के साथ-साथ जिलेभर के सरकारी अस्पतालों में चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीमों द्वारा स्कूली छात्रों की भी स्क्रीनिंग की गई।

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि इस अभियान का उद्धेश्य 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों एवं स्कूली छात्रों को निशुल्क नेत्र जांच तथा चश्मे उपलब्ध करवाकर उनकी आखों को नया जीवन देना है, ताकि वे देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने बताया कि यह अभियान प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य के प्रति प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबधता का परिचायक है। सरकार का यह प्रयास निश्चित रूप से समाज के उस वर्ग को लाभान्वित करेगा, जिसे अक्सर अपनी आखों की देखभाल के लिए आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस मौके पर उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय डबास, उप सिविल सर्जन डा. नरेन्द्र कुमार व डा. मनीष यादव, नेत्र सर्जन डॉ. नीरू यादव, नेत्र सर्जन डॉ. आकांक्षा यादव समेत चिकित्सा अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नारनौल। नागरिक अस्पताल में चश्मे विरतण कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष से भेंट कर किया आभार व्यक्त

भाजपा की कार्यकर्ता आधारित विचारधारा को दर्शाती हैं नियुक्तियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हाल ही में नगर पालिका अटेली, कनीना, महेंद्रगढ़, नांगल चौधरी व नगर परिषद नारनौल में जिन ग्यारह पार्षदों को मनोनीत किया गया है, उन्होंने जिला कार्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव से भेंट कर आभार व्यक्त किया। इन मनोनीत पार्षदों में नारनौल से जगदीश पासी, संजय अमन, सुदर्शन बंसल, अटेली से परमेश्वर दयाल, धर्मेंद्र शर्मा, कनीना से सवाई सिंह, नीलम कुमारी, महेंद्रगढ़ से लक्ष्मीकांत शर्मा, मुकेश कुमार, नांगल चौधरी से गोविंद देव मोदी व निहाल सिंह शामिल हैं, जो बहुत ही सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं। जिन्होंने वर्षों तक पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने में निःस्वार्थ भाव से कार्य किया। खास बात यह है कि ये सब बहुत ही सामान्य व पार्टी से वर्षों तक जुड़े हुए कार्यकर्ता हैं, इनमें से ज्यादा कार्यकर्ता अनुसूचित समाज व पिछड़ा वर्ग से संबंध रखते हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव ने कहा कि यह नियुक्तियां भाजपा की कार्यकर्ता आधारित विचारधारा को दर्शाती हैं। अंत्योदय का सिद्धांत संगठन की आत्मा है। यहां गरीब से गरीब, सामान्य कार्यकर्ता को भी सम्मान व अवसर दिया जाता है। इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, प्रभारी महामंत्री व कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी व समस्त भाजपा नेतृत्व का अंतिम पंक्ति में खड़े कार्यकर्ता को सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। यतेंद्र राव ने बताया कि जगदीश पासी ने 1982 के चुनाव में पार्टी के लिए चंदा इक्कठा करने के लिए अपने घर के गहने तक बेच दिए थे। वहीं नारनौल के वाल्मीकि बस्ती में रहने वाले संजय अमन, महेंद्रगढ़ के खटीक मोहल्ले में रहने वाले मुकेश कुमार व कनीना की हरिजन बस्ती में रहने वाली नीलम कुमारी ने वर्षों तक निःस्वार्थ भाव से पार्टी की सेवा की है।

नारनौल। भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ मनोनीत पार्षद। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

जिला अध्यक्ष ने सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, मंत्री आरती राव, विधायक ओमप्रकाश यादव, कंवर सिंह यादव, पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा व डॉ. अभय सिंह का भी आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष दयाराम यादव, जिला महामंत्री किशनलाल सैनी, योगेश शास्त्री, जिला उपाध्यक्ष पूर्णचंद गोठड़ी, विकास अग्रवाल, शिवरतन यादव, महिपाल यादव, वासुदेव यादव, जोगिंद्र राजपूत, जिला मंत्री संदीप मालडा, मनीष संघी, जिला प्रवक्ता सरला यादव, भवानीशंकर शर्मा, जेपी सैनी, पूर्व चेयरमैन गोविंद भारद्वाज, माडूराम सैनी, महेंद्र गौड़, देशराज सरपंच आदि मौजूद थे।

श्रीराधा कृष्ण संगठन ने निकाली 130वीं प्रभातफेरी

नारनौल। श्रावण मास की पुण्य बेला में राधे नाम की भक्ति का ऐसा अनुपम संगम देखने को मिला, जब श्री राधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन की ओर से बालेश्वर धाम नीमकाथाना में 130वीं प्रभातफेरी का भव्य आयोजन किया गया। रविवार को श्रद्धालुओं का एक भक्ति से सराबोर काफिला बसों व गाड़ियों में सवार होकर शिव भोलेनाथ के पावन धाम की ओर रवाना हुआ। धाम पहुंचते ही शिव धर्मशाला से प्रभात फेरी की शुरूआत हुई, जो बाबा बालेश्वर मंदिर तक जयकारों, ढोल नगाड़ों और राधे राधे के मधुर स्वरों के साथ सम्पन्न हुई। भक्तों को चंदन तिलक लगाकर ठाकुर जी की आरती की गई। जिससे वातावरण एक दिव्य ऊर्जा से भर उठा। हल्की हल्की फुहारों के बीच सैकड़ों भक्त महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग झूमते गाते राधे नाम का संकीर्तन करते हुए ढोल नगाड़ों की थाप पर थिरकते रहे। सावन की ठंडी हवाएं पहाड़ों की गोद में स्थित शांत व स्वच्छ वातावरण और भगवान के स्मरण से मानों प्रकृति स्वयं भक्तिमय हो उठी। श्रद्धालुओं ने धाम पर स्थित पवित्र कुंड में डुबकी लगाई और शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भोलेनाथ से सुख समृद्धि की कामना की। इस संपूर्ण आयोजन में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे वृंदावन की गलियों में श्रीकृष्ण व राधे रानी की भक्ति बह रही हो। हर तरफ राधे राधे की गूंज और शिवशंकर के जयकारे। संगठन की महिलाएं ठाकुर जी को रिझाने के लिए नृत्य करती नजर आई। समस्त आयोजन के पश्चात सभी भक्तों के लिए भोजन प्रसाद की सुंदर व्यवस्था की गई। श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के इस भव्य आयोजन ने न केवल धार्मिक उत्साह जगाया, बल्कि समाज में समर्पण, एकता और भक्ति का सुंदर संदेश भी प्रसारित किया।

खबर संक्षेप

नारनौल। सहायक उपकरण के साथ वरिष्ठ नागरिक। फोटो : हरिभूमि

दिव्यांग को उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र के तहत एलिम्को के सहयोग से रविवार के गांव बसीरपुर के राजकीय उच्च विद्यालय में दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिक सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को कान की मशीन, कमर की बेल्ट, व्हीलचेयर विद कमबोर्ड, निब्रास, व्हीलचेयर, वॉकर, चटिया, कपबोर्ड व अन्य सामान वितरित किया। इस अवसर पर डॉ. प्रिया चौधरी ने कहा कि जिस किसी को भी सहायक सामग्री की जरूरत है, वह रेडक्रॉस कार्यालय में जाकर कभी भी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को प्रदान की जाने वाली योजनाओं के बारे में विस्तार से डेमो देते हुए जानकारी दी। रेडक्रॉस काउंसलर अगेंद्र कुमार ने कहा भारत सरकार वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण देकर उनके सहज, गरिमा पूर्ण जीवन यापन करने के लिए सतत समर्पित है।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए अदालत कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु 15 जुलाई को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधित समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

130 जरूरतमंद व्यक्तियों ने उठाया स्वास्थ्य लाभ

कनीना। मंडी स्थित लाला शिवलाल की धर्मशाला में रविवार को सामाजिक संस्था सेवा भारती की ओर से मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 130 जरूरतमंद व्यक्तियों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इस शिविर में रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ के निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने हृदय रोग, नेत्र रोग, हड्डी एवं जोड़ रोग, स्त्री रोग, सामान्य रोग, नवजात शिशु व बाल रोग सम्बंधी विकारों की पहचान कर उपचार किया। शिविर में ईसीजी, बीपी व शूगर की भी जांच की गई। योगेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर में हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष वर्मा, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अनिल आदि मौजूद रहे।

समस्या के प्रति संवेदना ही समाधान का मार्ग प्रशस्त करती है: डॉ. अभय यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिरोही बहाली में लबालब भरा जल भंडार

नांगल चौधरी हलके के दो दर्जन से अधिक गांवों में पानी से लबालब भरे जाने वाले चार एकड़ के क्षेत्र में बने पन्द्रह फीट से ज्यादा गहरे जल भंडारों को देखकर प्रफुल्लित पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने इनके निर्माण की पृष्ठभूमि को याद करते हुए कहा कि कई बार आपके मन में आया एक सकारात्मक विचार विस्मयकारी परिणाम देता है। उन्होंने उस विशेष वृत्तान्त का जिकर करते हुए कहा कहा कि रबी की फसल के दौरान एक बार महेंद्रगढ़ जिले में नहरी पानी की सप्लाई की उस समय कमी आ गई, जब सरसों की फसल सूख रही थी। एक तरह से पानी की उपलब्धता उस फसल के लिए जीवन मरण का प्रश्न था। बड़ी मेहनत व मिन्नतों के बाद एक सप्ताह सप्लाई बढ़ाई गई थी, लेकिन चिंता इस बात की थी कि क्या इसका कोई स्थायी समाधान नहीं हो सकता था, क्योंकि सर्दी में नहरी पानी की कमी को पूरा करने के लिए हमेशा ही मशक्कत करनी पड़ती रही है। उसी दौरान उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल से अपनी एक मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि पानी की समस्या की बात करते करते अनायास ही उनके दिमाग में एक विचार आया कि बरसात के समय उपलब्ध पर्याप्त पानी का यदि भंडारण कर लिया जाए, तो सरसों की फसल में प्रयोग किया जा सकता है। मुख्यमंत्री को सुझाव दिया कि यमुना नदी के ऊपरी क्षेत्र में कोई बांध न होने की वजह से वर्षा ऋतु में तो पर्याप्त पानी मिलता है, लेकिन सर्दियों में कमी आती है, तो क्यों न हम यदि ऊपर भंडारण नहीं है, तो नीचे भंडारण कर लें। जहां जहां पंचायतों की जमीन उपलब्ध है, उस पर चार या पांच एकड़ क्षेत्र में ऐसे जल भंडार बनाए जा सकते हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी परियोजना की सफलता व उसकी उपयोगिता के बारे में आश्वस्त करने के बाद वह कभी किंतु परंतु नहीं करते थे और तुरंत हां भरते थे।

नांगल चौधरी के 25 गांवों में जल भंडार लगभग तैयार

पूर्व मंत्री ने कहा कि उसका परिणाम यह है कि आज नांगल चौधरी के 25 से अधिक गांवों में यह जल भंडार बनकर लगभग तैयार हो गए हैं। ऐसा ही एक जल भंडार महेंद्रगढ़ हलके के गांव दुलोठ अहीर में भी बना है। यह अधिकांश जल भंडार उन गांवों में बने हैं। जहां नहर नहीं है या नहरी पानी उपलब्ध नहीं हैं। नीले पानी से भरे यह जल भंडार प्रत्येक व्यक्ति को आकर्षित करते हुए क्षेत्र की खुशहाली का संदेश दे रहे हैं। इन सभी जल भंडारों पर सूक्ष्म सिंचाई की सुविधा प्रदान करने के लिए खेत खेत में सरकार की ओर से पाइप लाइन बिछाई गई है और प्रत्येक चार एकड़ पर किसानों को पानी लेने के लिए आउटलेट दिया गया है। एक बार भरने से एक जल भंडार तीन सौ एकड़ से अधिक भूमि को सिंचित करेगा। जब यहां का किसान एक बार सूक्ष्म सिंचाई से लाभान्वित हो गया, तो क्षेत्र की कृषि स्वतः ही आधुनिक कृषि की राह पर चल पड़ेगी।

आमजन के लिए क्लयाणकारी

डॉ. अभय सिंह यादव ने कहा कि आपका एक सकारात्मक विचार जब आमजन के लिए कल्याणकारी साबित होता है, तो आप सदा उसके परिणाम को देखकर आनंदित होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप किसी भी समस्या को दिल से महसूस करते हैं तो आपका दिमाग उसका समाधान ढूंढ़ने में सक्षम होता है। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं को आह्वान करते हुए कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को दिल से महसूस करना प्रारंभ करें। यहां का हर नागरिक और हर युवा अपनी वैचारिक क्रांति से पूरे क्षेत्र की तकदीर बदलने में सक्षम है।

किला रोड स्थित बहन मिश्री देवी आश्रम में बने कार्यालय में बैठक

शहर के ज्वलंत मुद्दों पर वरिष्ठ नागरिकों ने जताई चिंता, प्रशासन से समाधान की मांग

सीआईए रोड से मालटिब्बा, पुरानी मण्डी, यादव धर्मशाला से मोहल्ला कोलियान, इन्दिरा कॉलोनी चौक व आदि जगहों पर सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित संगठन कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में प्रधान दुलीचन्द शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। परम्परानुसार जिन सदस्यों का जन्मदिन माह में आता है, उन उपस्थित सदस्यों रामबिलास यादव, हरिराम गुप्ता, टील्लू राम सैनी, धर्मराज गुप्ता और मुकेश गोयल को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु होने की कामना की गई। इसके उपरांत कार्यकारिणी द्वारा संगठन के उपप्रधान ओमप्रकाश मान के बाहर होने के कारण बैठकों में हाजिर नहीं होने पर विजय सिंह यादव रहीश को कार्यवाहक उपप्रधान बनाने के निर्णय को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। बैठक में एक मास से सीआईए रोड से मालटिब्बा, पुरानी मण्डी, यादव धर्मशाला से मोहल्ला कोलियान, इन्दिरा कॉलोनी चौक तथा अधिकांश शहर में जगह–जगह सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं, जिसके लिए उपायुक्त के माध्यम से नगर परिषद तथा जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को इसे ठीक करने की मांग करने के बावजूद समस्या समाधान नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने पुनः प्रशासनिक अधिकारियों से अनुरोध किया कि इस समस्या से तुरन्त निजात दिलाई जाए। बैठक में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि जिला स्तरीय नागरिक अस्पताल काफी बड़ा है, लेकिन यहां दिल के मरीजों के लिए छल्ले/स्टन डालने की व्यवस्था नहीं है, जबकि निजी अस्पतालों में यह व्यवस्था है, जो बहुत महंगी है। उन्होंने मांग की कि यह व्यवस्था यहां भी होनी चाहिए, ताकि गरीब जनता को उपचार मिल सके। महाराजा अग्रसेन चौक से रेलवे-स्टेशन तक बिजली के पोल तो लग चुके हैं, किन्तु लाइट अभी चालू नहीं की गई है। अग्रसेन चौक से डाकघर तक डिवाइडर भी नहीं बनाया गया है। राजीव चौक से रेलवे-स्टेशन तक बरसात के समय पानी भरा रहता है। इसलिए सड़क के साथ नाली बनवाई जाएं। बैठक में यह भी बताया गया कि महता चौक से सैनी आश्रम तक लाइट नहीं है, उसकी व्यवस्था की जाए। यह भी नोटिस में लाया गया कि योजना के अनुसार मुख्य बाजार वाली सड़क महाबीर चौक तक बनाई जानी थी, किन्तु उसे पुल बाजार तक बनाकर अधूरा छोड़ दिया गया है। इसलिए इसे अविलंब महाबीर चौक तक बनाया जाए। शनि मंदिर के पास नामदेव धर्मशाला से पुल बाजार के पुल तक गन्दे नाले पर निर्माण कार्य रोक दिया गया है, उसे पूरा किया जाए। पुराने मकानों पर विकास शुल्क लिया जाता है, जो नहीं लिया जाना चाहिए। सुभाष पार्क शहर का मुख्य पार्क है, इसकी देखरेख के समुचित प्रबंध किए जाएं, जिससे सरकार द्वारा लगाए गए करोड़ों रुपये की बर्बादी रोकी जा सके। वरिष्ठ नागरिकों ने ट्रेनों के संबंध में कहा कि लम्बी दूरी की गाड़ियां प्लेटफार्म नंबर दो पर रोकी जाती हैं, जिससे गाड़ी के दो डिब्बे प्लेटफार्म से बाहर रह जाते हैं, उन डिब्बों से सवारियों को चढ़ने व उतरने में परेशानी होती है। इसलिए प्लेटफार्म का विस्तार किया जाए।

पार्षद को गंदे पानी में चलाने पर भी समाधान नहीं

लगभग एक मास पहले जमालपुर मौहल्ले को जाने वाले रास्ता में गन्दा पानी भरा हुआ है, जिसके निराकरण करने के लिए वार्ड नंबर 26 के पार्षद कांशीराम को कुछ नवयुवकों द्वारा इस गन्दे पानी में जबरन चलाया गया। वह मामला तो शांत हो गया, लेकिन गन्दे पानी की समस्या अब भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। बुजुर्ग लोग वहां से गुजर भी नहीं सकते। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार और नगर परिषद द्वारा सुभाष पार्क का रेनोवेशन करवाने के लिए दोनों बधाई के पात्र हैं, किन्तु पार्क के रखरखाव के लिए न तो वहां पर चौकीदार है और न ही सफाई का कार्य हो रहा। घास काटने की मशीन लगभग 10-12 दिनों से खराब पड़ी है, जिससे घास की कटाई नहीं हो पा रही है। इस बारे व्यक्तिगत तौर पर संगठन के प्रधान द्वारा नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी के नोटिस में लाया हुआ है। सुपरविजन न होने के कारण 2-3 लाइटें शरारती तत्वों द्वारा तोड़ दी गई हैं और फिक्स की गई लोहे की लगभग 8-10 लोहे की बैन्चों को भी उखाड़ दिया गया है। इसलिए वहां चौकीदार की व्यवस्था की जाए, अन्यथा नुकसान होता रहेगा।

ये रहे मौजूद

बैठक का संचालन महासचिव मुखराम सैनी द्वारा किया गया। बैठक में शिवहरि अग्रवाल, सोहनलाल चौहान, विजय सिंह रहीश, बीएल सैनी, भागीरथ प्रसाद, हरिराम गुप्ता, टील्लूराम सैनी, मुकेश गोयल, रामबिलास यादव, धर्मराज गुप्ता, सुरेश जांगिड़, रामनिवास सैनी, गणेश हरित, राजकुमार गुप्ता, शिवलाल वर्मा, बाबूलाल गोयल, हरिद्वारी लाल वर्मा, अशोक कुमार डोरा, बद्रीप्रसाद गर्ग, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला, श्याम सुंदर शर्मा, जसवंत सिंह यादव, पीसी जैन, ओपी बत्रा, गणपत राम सैनी, नरेंद्र कुमार धौलिया, वासुदेव गोगिया, देवीदयाल और बृजमोहन एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। पौधारोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अब हर रविवार हुडा के पार्क में चलेगा पौधारोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हुडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से रविवार सफाई अभियान व पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसकी अध्यक्षता एसोसिएशन प्रधान नरेश चौधरी ने की। इस अवसर पर रविवार सुबह छह बजे हुड्डा सेक्टर के जागरूक निवासी फावली, कुहाड़ा, फावड़ा घास कटर आदि लेकर चंद्रशेखर पार्क में पहुंचे और वहां सफाई अभियान शुरू किया। इसके बाद पौधारोपण किया गया। इस दौरान वासुदेव यादव ने कहा कि प्रधान की सोच बहुत अच्छी है। इन्होंने इस पुनीत कार्य की शुरूआत की है, जो पूरी तरह सफल होगा। वही रामनिवास खिंची ने सफाई अभियान व पौधारोपण पर एक सुंदर कविता सुनाई। प्रधान नरेश चौधरी ने कहा कि स्वछता हमारे जीवन में बहुत जरूरी है। इसे हम बचपन से सीखते आए हैं। स्वच्छ शरीर के लिए स्वच्छ वातावरण का होना बहुत जरूरी है। हमारा शरीर तभी स्वच्छ रह सकता है, जब हमारा वातावरण स्वच्छ हो। यह हमारा कर्तव्य है कि हमें अपने मकान के आसपास स्वच्छता पर ध्यान दें। प्रधान ने कहा कि हर रविवार को आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी व हुडा सेक्टर के जागरूक निवासियों की ओर से एक नए पार्क को चिन्हित कर सफाई की जाएगी।

मौजूद रहे

इस मौके पर उप प्रधान सुंदरलाल शर्मा, सचिव अमरदीप बडेसरा, प्रेस सचिव महेंद्र सिंह, सहसचिव राजेश बंसल, कोषाध्यक्ष अनिल गुप्ता, वासुदेव यादव, रविंद्र कुमार, अनीता चौहान, शशिबाला, मानसिंह नूनीवाल, रेवाड़ी डीईओ सुभाष चंद्र सामरिया, जसवंत सिंह, ओपी यादव, मुसद्दीलाल मेहता, कांतिलाल शर्मा, रामनिवास खिंची, पूर्व सचिव ब्रह्मदत्त, डॉ. हंसराज गुर्जर, बुधराम चौधरी, मुकेश डोसीवाल, डॉ. सत्यपाल, सुभाष चंद्र यादव, धर्मवीर, अमित आदि मौजूद थे।

नांगल सिरोही में निःशुल्क वितरित किए गए चश्मे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। उज्जवल दृष्टि हरियाणा अभियान के बारे बताते हुए एसएमओ डॉ. प्रतीक यादव।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा उज्जवल दृष्टि हरियाणा अभियान की शुरूआत हो चुकी है। जिसको लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नांगल सिरोही में उज्जवल दृष्टि हरियाणा अभियान निःशुल्क चश्मे बांटे गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएमओ डॉ. प्रतीक यादव द्वारा की गई। वहीं मुख्यातिथि नांगल सिरोही के सरपंच गोकलचंद रहे। इस दौरान काफी संख्या में लाभार्थियों ने भाग लिया। एसएमओ डॉ. प्रतीक यादव ने बताया कि उज्जवल दृष्टि हरियाणा अभियान के तहत 45 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों की जांच कर 45 लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मा वितरित किए है। हरियाणा सरकार द्वारा इस अभियान के अंतर्गत जिले में दृष्टि बाधित जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए जा रहे हैं। सामान्य जीवन के लिए आंखों की रोशनी अत्यंत आवश्यक है और समय पर उपचार न होने पर अंधता की आशंका रहती है। यह योजना हर नागरिक की आंखों में उज्वल भविष्य की रोशनी लाने का कार्य करेगी। अश्वनी यादव, डॉ. दिव्या गिरधर, कृष्ण, अनिल, सुमित्रा आदि उपस्थित रहे।

खासपुर श्रीशनि शक्ति धाम में चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

खासपुर गांव स्थित श्री शनि शक्ति धाम में रविवार को स्पोर्ट्स क्लब खासपुर की अगुवाई में भव्य सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत मंदिर प्रांगण व खेल मैदान की सफाई की गई। नालियों की सफाई की गई, पौधों में खोदी लगाई गई और समस्त खरपतवार को हटाया गया। सामूहिक प्रयास से पापड़ी व पीपल के कुल 20 पौधे लगाए गए। जिससे पर्यावरण को हरा भरा बनाए रखने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर यशवीर व विकास ने बताया कि युवा सचिन रोहिल्ला, बॉबी देहरान, अनिल, सुखनंद, पंकज, रविंद्र, विक्की, प्रवेश, रोहित, भांशु समेत कई ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर श्रमदान दिया। इसके साथ ही तीज महोत्सव व वार्षिक मेले की तैयारियों की भी शुरूआत की। मेले में होने वाली कबड्डी, वॉलीबॉल व कुश्ती प्रतियोगिताओं के लिए मैदानों को समतल कर तैयार किया जा रहा है।

सरपंच का संकल्पः ढाणा गांव में लगाए जाएंगे एक हजार पौधे

नारनौल। कनीना खंड के गांव ढाणा में सरपंच राधेश्याम के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पौधारोपण अभियान चलाया। इस अवसर पर दिनेश मिस्त्री, रामकिशन पंच, सुभाष पंच, महेश कुमार, सत्यप्रकाश, जितेंद्र, नरेंद्र, अशोक कुमार पंच, जयवीर, सुनील कुमार और योगेश कुमार समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे। सरपंच ने बाबा जिंदा पर और गांव के शमशान एवं स्कूल में लगभग 1000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है, जिससे क्षेत्र में हरियाली बढ़े और पर्यावरण संतुलन बना रहे। सरपंच का कहना है कि पौधारोपण से क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन बना रहेगा और वायु प्रदूषण कम होगा। साथ ही, हरियाली में वृद्धि होगी और प्राकृतिक सौंदर्य में वृद्धि होगी। पौधारोपण के बाद नियमित देखभाल करना आवश्यक होगा, ताकि पौधे सुरक्षित रूप से बड़े हो सकें। इस पहल से गांव ढाणा में हरियाली बढ़ेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

हरिद्वार से सुबह 7 बजे महेंद्रगढ़ से रवाना होगी रोडवेज बस, 440 रुपये किराया

दादरी डिपो की ओर से पहले भी चलाई जा चुकी है महेंद्रगढ़ से हरिद्वार के लिए रोडवेज बस

महेंद्रगढ़ से हरिद्वार के लिए रोडवेज बस का संचालन हुआ शुरू, सुबह 7 बजे होगी रवाना

- नारनौल डिपो की ओर से नहीं किया जा रहा हरिद्वार के लिए रोडवेज बस का संचालन, नारनौल, अटेली, निजामपुर व नांगल सिरोही के श्रद्धालुओं को उठानी पड़ रही है परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरिद्वार के लिए परिवहन सुविधा नहीं होने के चलते श्रद्धालु परेशान, 3 जिलों से जाती हैं के
महेंद्रगढ और नारनौल रेलवे स्टेशन से नहीं मिलती सीधी
ट्रेन यात्रियों को नहीं मिल रहा लाभ
दो डिपो चला रही है बस

महेंद्रगढ़। बस स्टैंड महेंद्रगढ़ व 13 जुलाई को हरिभूमि में प्रकाशित समाचार।

दादरी डिपो की ओर से महेंद्रगढ़ से हरिद्वार के लिए स्पेशल रोडवेज बस सेवा शुरू की है। यह बस सुबह सात बजे महेंद्रगढ़ से रवाना होकर दादरी, रोहतक पानीपत होते हुए हरिद्वार जाएगी। वहीं सुबह सात से हरिद्वार से महेंद्रगढ़ के लिए रवाना होगी। रोडवेज बस में हरिद्वार का 440 रुपये किराया होगा। बता दें कि बता दें कि प्रदेश के लोग भारी संख्या हरिद्वार जाकर में श्रावण में जाकर स्नान करते हैं तथा कावड़ लाने की भी परंपरा है। करीब एक माह तक स्नान चलता है। इस दौरान जिले के लोग भारी संख्या में एक माह तक हरिद्वार जाकर स्नान करके आते हैं तथा यहां रवाना होकर हरिद्वार से कावड़ लेकर आते हैं। महेंद्रगढ़ जिला से हरिद्वार के लिए स्पेशल बस सेवा चलाने की मांग की जा रही थी। इस बस का संचालन शुरू होने से महेंद्रगढ़, दादरी, रोहतक व पानीपत सहित अन्य क्षेत्र के श्रद्धालुओं को फायदा मिलेगा।

दादरी डिपो द्वारा चलाई जा रही हैं दों बसें

दादरी डिपों की ओर से महेंद्रगढ़ से हरिद्वार के लिए दो रोडवेज बस का संचालन किया जा रहा है। एक बस प्रत्येक दिन हरिद्वार के लिए जाती है तथा दूसरी बस शिवरात्रि स्पेशल रोडवेज बस सेवा शुरू की है। प्रतिदिन चलने वाली रोडवेज बस महेंद्रगढ़ बस स्टैंड से सुबह 5.50 बजे शुरू होकर दादरी, रोहतक, पानीपत, शामली, सहारनपुर से रूडकी होते हुए हरिद्वार जाती है। वहीं वापिसी भी इसी मार्ग से होते हुए महेंद्रगढ़ पहुंचती है। शिवरात्रि रोडवेज स्पेशल बस सुबह सात बजे महेंद्रगढ से रवाना होकर, आठ बजे दादरी, सुबह 10 बजे रोहतक, दोपहर 12 बजे पानीपत से होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। वहीं वापिसी के लिए सुबह 7 बजे हरिद्वार से रवाना होकर सुबह 11 बजे पानीपत, दोपहर 12.30 बजे रोहतक से दोपहर करीब 1.30 बजे महेंद्रगढ़ पहुंचेगी।

नारनौल डिपो से बस संचालन नहीं होने से यात्री परेशान

नारनौल डिपो की ओर से हरिद्वार के लिए कोई रोडवेज बस नहीं चलाई जा रहीं है। इसके अलावा महेंद्रगढ़ और नारनौल से हरिद्वार के लिए कोई सीधी ट्रेन भी नहीं चल रहीं है। ऐसे जिला को श्रद्धालुओं को भारी परेशानी उठानी है। दादरी डिपों की ओर से चलाई जा रोडवेज का बस का केवल महेंद्रगढ़ क्षेत्र के लोगों को फायदा मिलेगा। अटेली, सतनाली, नारनौल, निजामपुर, नांगल चौधरी व कनीना क्षेत्र के लोगों को हरिद्वार जाने के लिए महेंद्रगढ़ बस स्टैंड आना पड़ेगा।